मुगल राजनीति में एत्माउद्दौला के परिवार की भूमिका (1605–1707)

कुँअर मानवेन्द्र प्रताप

मुगल साम्राज्य के गठन की इस प्रक्रिया में कई जागीदारों के परिवारों की भूमिका उल्लेखनीय रही। इन परिवारों ने मुगलवंश के शासन के उत्तराधिकार की लड़ाईयों में भी महती भूमिका निभायी। इन लड़ाईयों में उन परिवारों की गतिविधियों का ऐतिहासिक दृष्टिकोण से विश्लेषण अनिवार्य हो जाता है। जहाँगीर के साथ नूरजहाँ के विवाहोपरान्त एतमाउद्दौला के परिवार के भाग्य का सितारा बदल गया। एत्माउद्दौला स्वयं एक शक्तिशाली क्षेत्रीय के रूप में उभरे जबकि उनकी पुत्री नूरजहाँ मुगल साम्राज्य की वास्तविक शासिका बन गयी। नूरजहाँ ने अपनी कूटनीतिक क्षमता का परिचय उस समय दिया जबकि महावत खाँ की कैद से जहाँगीर की सुरक्षित रिहाई हो गयी।

नूरजहाँ के भाई आसफ खाँ ने भी मुगल राजनीति को लम्बे समय तक प्रभावित किया। शाहजहाँ के काल में वह मुगल साम्राज्य का भाग्य विधाता बन गया। एत्माउद्दौला का पौत्र शाइस्ता खाँ औरंगजेब के शासन काल में अत्यधिक प्रभावशाली रहा। इस काल में किसी अन्य जागीरदार, परिवार की भूमिका इस परिवार के मुकाबले की नहीं रही।